EDII

Rajasthan Patrika

September 07, 2023
Page No.02

ईडीआईआई में डॉ. वी जी पटेल मेमोरियल व्याख्यानमाला

स्टार्टअप के लिए अच्छा समय, राष्ट्रनिर्माण हो उद्देश्य : खंबाटा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. देश के जाने माने उद्यमी व रसना ग्रुप के अध्यक्ष पीरुज खंबाटा ने कहा कि युवाओं के लिए स्टार्टअप या कंपनी शुरू करने के लिए आज अच्छा (लकी) समय है। उन्हें से ऋण मिल रहा है। सरकार ही नहीं, उद्यमी, परिजन भी उन्हें सपोर्ट कर रहे है। लेकिन एकमात्र अरबपति बनने के लिए ही स्टार्टअप (उद्यम) शुरू नहीं करना चाहिए, राष्ट्र निर्माण भी उद्देश्य होना चाहिए। वे बुधवार को भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के डॉ.वी.जी.पटेल मेमोरियल व्याख्यानमाला के तहत आयोजित पांचवें व्याख्यान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

डॉ.सत्यजीत मजूमदार को डॉ.वी.जी.पटेल मेमोरियल उद्यमिता अवार्ड प्रदान करते अतिथि।

उन्होंने युवाओं को स्टार्टअप और सफलता के लिए अराइज-एआरआईएसई थीम बताई। जिसमें ए का अर्थ अकाउंटिबिलिटी टू कोर्पोरेट गवर्नेंस-कानून के तहत काम करने, आर-रिफॉर्म (सरकार के साथ मिलकर रिफॉर्म करने), आई-इनोवेशन (काम में इनोवेशन करने, उसे तवज्जो देने), एस-सस्टेनिबिलिटी और ई-एन्टरप्रिन्योरशिप है। उन्होंने सोशल एन्टरप्रिन्योरशिप क्षेत्र-जिसमें कृषि, मेडिकल डिवाइस निर्माण, शिक्षा एप, फूड, आईटी जैसे सेक्टर है, उसमें स्टार्टअप शुरू करने को कहा। इससे युवा को भी फायदा होगा और समाज का भी भला होगा। उन्होंने संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा कि आज के युवा में काफी हुनर (पावर) है। यदि सही तरीके से उसे राष्ट्रनिर्माण में उपयोग में लिया जाए तो भारत बहुत कम समय में नंबर वन अर्थव्यवस्था बन सकता है। उन्होंने स्टार्टअप के सफल होने पर उसे अन्य को बेचने की जगह उस पर अपना नियंत्रण बनाए रखने की युवाओं को सलाह दी। स्टार्टअप के लिए लाइसेंस, मंजूरी, टैक्स को लेकर सरकार से छूट देने की आवश्यकता जताई ताकि स्टार्टअप भारत से विदेश जाने की जगह भारत में रहें। गिफ्ट सिटी में आएं। इसके लिए एसईजेड जैसी व्यवस्था बनाने की जरूरत जताई।

डॉ.मजूमदार को डॉ. वी.जी. पटेल मेमोरियल उद्यमिता अवार्ड

ईडीआईआई की ओर से वर्ष 2023 का डॉ.वी.जी.पटेल मेमोरियल उद्यमिता अवार्ड (शिक्षक, प्रशिक्षक, मार्गदर्शक) मुंबई स्थित टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड लेबर स्टडीज के डीन व प्रोफेसर डॉ. सत्यजीत मजूमदार को प्रदान किया गया। पिछले दो दशकों में, डॉ. मजूमदार ने उद्यमिता के विकास में, विशेषकर सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने 350 से अधिक स्टार्टअप का मार्गदर्शन किया है। इस वर्ष देश-विदेश से इस अवार्ड के लिए मिले 378 नामांकन मिले थे।

सोशल एंटरप्रिन्योरशिप में भी बढ़ रहे स्टार्टअप

ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने कहा कि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए डॉ. वीजी पटेल ने ईडीआईआई की स्थापना की। लोगों को पहले संदेह था कि उद्यमिता को कैरियर के एक विकल्प के रूप में भी अपनाया जा सकता है। लेकिन उनके प्रयास से आज उद्यमिता को विकास यात्रा के लिए एक जरूरी घटक माना जा रहा है। सोशल एन्टरप्रिन्योरशिप से लेकर कई नए क्षेत्रों में स्टार्टअप आ रहे हैं।